चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.02.25	4	2-4

किसानों ने लिया मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ युवाओं एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के अलावा इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने से भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है।

हकृवि में प्रशिक्षण के दौरान मुख्य अतिथि प्रतिभागियों के साथ।

वर्ष 2023-24 में 21,440 एमटी मशरूम उत्पादन करके राजस्थान रहा आठवें स्थान पर

प्रशिक्षण के संयोजक डा. सतीश मेहता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में राजस्थान ने 21,440 मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन करके आठवें स्थान पर रहा। किसानों को बटन, ढींगरि, दूधिया, शीटाके, कीड़ा-जड़ी, गेनोडर्मा मशरूम की उत्पादन विधि, प्रसंस्करण जैसे कैनिंग, आचारीकरण आदि विभिन्न मशरूम उत्पाद का आर्थिक विशेषण, जैविक-अजैविक समस्याओं के अलावा इनकी मार्केटिंग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। डा. अनिल कुमार यादव, डा. अनिल वत्स, डा. भूपेंद्र, डा. कविता दुआ जाधव, डा. ओमप्रकाश बिश्नोई, डा. विकास काम्बोज, डा. राकेश चुघ, डा. पवित्रा, डा. सरदूल मान, डा. जितेंद्र भाटिया, डा. अंजू सहरावत ने अलग-अलग विषयों पर मशरूम से संबंधित किसानों को जानकारी दी गई।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25-02-25	12	6-8

मशरूम का प्रशिक्षण लेने बीकानेर जिले के 20 गांवों से किसान पहुंचे हिसार

■ कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मशरूम उत्पादन के बारे में विस्तार से दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। मशरूम का प्रशिक्षण लेने आए प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत दिया जा रहा है। जिसमें बीकानेर के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज, विटामिन, अमीनो एसिड्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ कई तरह के औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं। मुख्य अतिथि ने प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस मौके संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. अनिल वत्स, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. कविता दुआ जाधव, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास कम्बोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25.02.25	11	1-3

हकृवि में बीकानेर जिले के किसानों के लिए मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण सम्पन्न

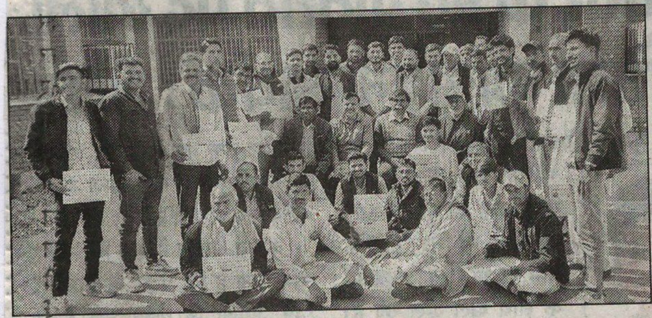

मुख्यातिथि प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 24 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किये जा इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रतिभागी लाभान्वित हो रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ युवाओं एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प है। मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन युवा एवं किसान कम लागत से स्वरोजगार के रूप में स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के अलावा इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने से भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज, विटामिन, अमीनो एसिड्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ कई तरह के औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं। मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में राजस्थान ने 21 हजार 440 मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन करके आठवें स्थान पर रहा।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बटन, ढींगरि, दूधिया, शीटाके, कीड़ा-जड़ी, गेनोडर्मा मशरूम की उत्पादन विधि, प्रसंस्करण जैसे कैनिंग, आचारीकरण आदि विभिन्न मशरूम उत्पाद का आर्थिक विशेषण, जैविक-अजैविक समस्याओं के अलावा इनकी मार्केटिंग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. अनिल वत्स, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. कविता दुआ जाधव, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अंजू सहरावत ने अलग-अलग विषयों पर मशरूम से संबंधित किसानों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. डी.के. शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.02.25	2	8

हकृवि में बीकानेर जिले के किसानों दिया मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

हिसार, 24 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में राजस्थान ने 21 हजार 440 मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन करके आठवें स्थान पर रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.02.25	3	8

36 ने मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण लिया

हिसार| हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण किया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि बिभाग की आत्मा स्कीम के तहत विवि में आयोजित किया गया। इसमें बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-02-25	2	7-8

किसानों ने लिया मशरूम की खेती का प्रशिक्षण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	25-02-25	11	2-4

बीकानेर के किसानों ने लिया मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

हिसार, 24 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण शिविर में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ युवाओं एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प है। मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन युवा एवं किसान कम लागत से स्वरोजगार के रूप में स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के अलावा इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने से भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज, विटामिन, अमीनो एसिड्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ कई तरह के औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	25.02.2025	--	--

हकृवि में बीकानेर जिले के किसानों के लिए मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में

प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किये जा इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रतिभागी लाभान्वित हो रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ युवाओं एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	24.02.2025	--	--

हकृवि में किसानों के लिए मशरूम के उत्पादन पर प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ युवाओं एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प है। मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन युवा एवं किसान कम लागत से स्वरोजगार के रूप में स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के अलावा इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने से भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज, विटामिन, अमीनो एसिड्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ कई तरह के औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं। मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में राजस्थान ने 21 हजार 440 मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन करके आठवें स्थान पर रहा। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. अनिल वत्स, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. कविता दुआ जाधव, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अंजू सहरावत ने अलग-अलग विषयों पर मशरूम से संबंधित किसानों को जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि किरण न्यूज	24.02.2025	--	--

Hari Kiran News
15h ·

बीकानेर जिले के 20 गांवों के किसान पहुंचे मशरूम का प्रशिक्षण लेने

-एचएयू में बीकानेर जिले के किसानों के लिए मशरूम उत्पादन पर हुआ प्रशिक्षण-

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रतिभागी लाभान्वित हो रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सोमवार को बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय मंा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ युवाओं एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प है। मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन युवा एवं किसान कम लागत से स्वरोजगार के रूप में स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के अलावा इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने से भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज, विटामिन, अमीनो एसिड्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ कई तरह के औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं। मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में राजस्थान ने 21 हजार 440 मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन करके आठवें स्थान पर रहा। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बटन, ढींगरि, दूधिया, शीटाके, कीड़ा-जड़ी गेनोडर्मा मशरूम की उत्पादन विधि, प्रसंस्करण जैसे कैनिंग, आचारीकरण आदि विभिन्न मशरूम उत्पाद का आर्थिक विशेषण, जैविक-अजैविक समस्याओं के अलावा इनकी मार्केटिंग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. अनिल वत्स, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. कविता दुआ जाधव, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास कम्बोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अंजू सहरावत ने अलग-अलग विषयों पर मशरूम से संबंधित किसानों को जानकारी दी गई। डॉ. डीके शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।